http://www.ccsustudy.com

N **(Printed Pages 4)**

(20318) **Roll No. ....**

B.A.-I (Regular)

RUS-4888

B.A. Annual (Regular) Examination, 2018

(For Regular Students Only)

HINDI - I

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(A-113)

(Unified Syllabus)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 50*

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से निर्देशानुसार प्रश्न करना है। कुल पाँच प्रश्न हल करने हैं।

खण्ड - अ

1. सभी प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : 2×10=20

(i) सरहपा के काव्य का क्या प्रतिपाद्य था?

(ii) छप्पय सम्राट किसे कहा जाता है और क्यों?

(iii) 'संदेश रासक' कैसी रचना है? उसके रचनाकार का नाम लिखिए।

(iv) अमीर खुसरो ने किस वाद्य यंत्र का आविष्कार किया था?

P.T.O.

http://www.ccsustudy.com

http://www.ccsustudy.com

http://www.ccsustudy.com

http://www.ccsustudy.com

(v) मीराबाई ने अपने पदों की रचना किस शैली में की थी?

(vi) 'ऊगा निर्मल सूर' से कबीरदास का क्या अभिप्राय है?

(vii) पद्मावती किस तिथि में और किसके साथ मानसरोदक पर स्नान करने आई?

(viii) तुलसीदास ने कब और कहाँ 'रामचरित मानस' की रचना की थी?

(ix) किस साहित्यिक कृति को हिन्दी साहित्य की 'रत्नपेटिका' कहा जाता है?

(x) भूषण ने औरंगजेब को किस असुर का अवतार बताया है और क्यों?

खण्ड - ब

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 4×2=8

(i) पारब्रह्म के तेज का, कैसा है उनमान।
कहिबे कूँ सोभा नहीं, देख्या ही परवान।।
अंतरि कँवल प्रकासिया, ब्रह्म वास तहाँ होई।
मन भँवरा तहाँ लुबधिया, जाणेगा जन कोई।।

(ii) आयौ घोष बड़ौ ब्यौपारी।
लादि खेप गुरु ज्ञान-जोग की ब्रज में आय उतारी।।
फाटक दै कर हाटक माँगत, भौंरै निपट सु धारी।
धुर हि तैं खोटो खायो है लयें फिरत सिर भारी।।

http://www.ccsustudy.com

http://www.ccsustudy.com

Scanned with Ca

http://www.ccsustudy.com

(iii) साहि सिरताज औ सिपाहिन मे पातसाह,
अचल सुसिंधु कैसे जिनके सुभाव हैं।
भूषन भनत परी सस्त्र रन सिवा धाक,
काँपत रहत न गहत चित चाव हैं।
अथह बिमल जल कालिंदी के तट केते,
परे युद्ध बिपति के मारे उमराव हैं।
नाव भरि बेगम उतारैं बांदी डोंगा भरि,
साहि मिसि मक्का उतरत दरियाव हैं।।

खण्ड - द

4. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए: 7×1=7

(i) जायसी के काव्य के अनुभूति पक्ष एवं अभिव्यक्ति पक्ष पर प्रकाश डालिए।

(ii) "सूर का 'भ्रमरगीत' भाव प्रेरित वक्रोक्तियों का अक्षय भण्डार है।" प्रमाण सहित उत्तर दीजिए।

खण्ड - ह

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए : http://www.ccsustudy.com 7×1=7

(i) बिहारी को पहले भक्त कवि माना गया है, बाद में शृंगारी कवि, इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं? प्रमाण सहित उत्तर दीजिए।

(ii) घनानन्द का रीतिकाल की स्वच्छन्द काव्य धारा में क्या स्थान है? स्पष्ट कीजिए।

http://www.ccsustudy.com

http://www.ccsustudy.com
http://www.ccsustudy.com

http://www.ccsustudy.com

इनकैं कहे कौन डहकावै ऐसौ कौन-अजानी?
अपनौ दूध छाँड़ि को पीवै, खारकूप कौ पानी।।
ऊधौ जाहु सवार यहाँ तें बेगि गहरु जनि लावौ।
मुँहमाँग्यौ पैहौ सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ।।

(iii) बध्यो बधिक पर्यो पुन्य जल उलटि उठाई चोंच।
तुलसी चातक प्रेमपट मरतहुँ लगी न खोंच ।।
बरषि परुष पाहन पयद, पंख करौ टुक टूक।
तुलसी परी न चाहिऐ, चतुर चातकहि चूक।।

खण्ड - स

3. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 4×2=8

(i) नर की अरु नल-नीर की, गति एकै करि जोइ।
जेतौ नीचौ ह्वै चलै, तेतौ ऊँचौ होइ।।
बढ़त बढ़त संपति सलिलु, मन-सरोजु, बढ़ि जाइ।
घटत घटत सु न फिरि घटै, बरु समूल कुम्हिलाइ।।

(ii) मरिबो बिसराम गनै वह तौ, यह बापुरो मीत तज्यौ तरसै।
वह रूप छटा न सहारि सकै, यह तेज तवै चितवै बरसै।
घनआनँद कौन अनोखी दसा, मति आवरी बावरी ह्वै थरसै।
बिछुरैं मिलैं मीन-पतंग-दसा कहा मो जिय की गति को परसै।।

http://www.ccsustudy.com
http://www.ccsustudy.com